Dr Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GF)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

BA Part II (GEN/Sub)

Lecture IV

वृद्धों की समस्याओं का कारण =)

3. भौतिकवादी संस्कृति ⇒ आज का आधुनिक समाज भौतिकवादी संस्कृति को अत्यधिक महत्व प्रदान करता है। इस समाज में सुखवादी, भोगवादी, व्यक्तिवादी जैसे तत्वों का महत्व अधिक है। जिसके फलस्वरूप व्यक्ति अपने सुख के लिए हमेशा तत्पर रहता है तथा वृद्धों की हमेशा अवहेलना करता है।

4. दोषपूर्ण समाजीकरण =) वर्तमान समाज में समाजीकरण का तरीका अधिक से अधिक धन उपार्जन एवं भौतिकता से सम्बन्धित है। इस दोषपूर्ण समाजीकरण में वृद्धों की देखभाल के लिए कोई स्थान नहीं है। जिसके फलस्वरूप वृद्ध व्यक्ति के मान-सम्मान का भाव नगण्य हो जाता है। अतः वृद्धों की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही है।

5. व्यक्तिवादिता =) आज समाज पर व्यक्तिवादिता -

2020-7-24 14:31

होती है। ऐसी परिस्थितियों में बहुत अलग-थलग होते जा रहे हैं। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन लगा देते हैं, वही बच्चे अपने पैरों पर खड़ा होने के बाद अपने बूढ़े माता-पिता को नहीं रखते। यह सब व्यक्ति की व्यक्तिवादिता का परिणाम है।

6. संयुक्तता की धारणा में कमी :- भारतीय समाज में संयुक्त परिवार की अवधारणा रही है। विभिन्न पीढ़ियों के लोग एक स्थान पर साथ-साथ रहते थे। खान-पान, संस्कार व सेवाभाव सभी में समानरूप से देखने को मिलता था परन्तु वर्तमान समय में संयुक्त परिवार टूटते जा रहे हैं परिणामस्वरूप सर्वाधिक समस्या बहुओं को ही झेलनी पड़ रही है।

7. आधुनिक प्रक्रियाएं :- औद्योगीकरण, नगरीकरण, आधुनिकीकरण एवं पश्चिमीकरण जैसे परिवर्तन की आधुनिक प्रक्रियाएं हैं। इसके प्रभाव में प्रेम, सहानुभूति त्याग, बलिदान, लगाव व सेवाभाव में कमी देखने को मिल रही है। जब तक ये गुण का महत्व था बहुओं को कोई समस्या नहीं थी परन्तु इन गुणों के ह्रास के कारण बहुओं की समस्याओं में बढ़ोत्तरी हुई है।

2020-7-24 14:31